उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह अगस्त, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 अगस्त से 31 अगस्त 2017 तक)

उच्च शिक्षा का पर्वतीय क्षेत्रों में प्रसार

विश्वविद्यालय द्वारा माह जून-जुलाई 2017 में 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' के अन्तर्गत राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर तथा विभिन्न दुर्गम स्थानों पर प्रचार-प्रसार किया गया तथा छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया गया। कुमाँऊ तथा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की जागरूकता हेतु कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसके फलस्वरूप माह जुलाई-अगस्त, 2017 तक विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-2018 में पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित 05 क्षेत्रीय केन्द्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में प्रवेशार्थियों का विवरण निम्नलिखित है-

स्थान	जुलाई	अगस्त
पौड़ी	418	1307
उत्तरकाशी	267	1574
पिथौरागढ़	139	663
रानीखेत	287	825
बागेश्वर	128	417
कुल	**1239**	**4786**

विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-2018 से व्यक्तिगत छात्रों के प्रवेश हेतु विज्ञापन विभिन्न समाचार पत्रों में इस उद्देश्य से दिये गए कि प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकें।

राज्य के दूरप्रसार के लिए विस्वविद्यालय द्वारा राज्य के -दराज क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रचार-विभिन्न दुर्गम क्षेत्रों के वरिष्ठ लोगों, वहां कार्य करने वाले सामाजिक संगठन, कार्यकर्ता, शिक्षविद् व छात्रों के सोशियल ग्रुप बनाये गए है ताकि वहां पर उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार किया जा सके तथा साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों व उच्च शिक्षा से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को राज्य दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुँचाया जा सके |

दूरस्थ शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु परिसर कार्यालय देहरादून द्वारा गढ़वाल क्षेत्र के उत्तरकाशी और टिहरी जनपद को जोड़ने हेतु सोशल मीडिया 'फेस बुक' एवं 'व्हट्स एप' में एक ग्रुप 'यू0ओ0यू0 प्रचार-प्रसार, उत्तरकाशी-टिहरी' के नाम से बनाया गया जिसमें इस परिक्षेत्र के छात्र-छात्राओं व

जनमानस को दूरस्थ शिक्षा के संबंध में निरन्तर जानकारी प्रदान की जायेगी तथा इन सोशल माध्यमों से विश्वाविद्यालय की समस्त शैक्षिक गतिविधियों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) की अगस्त14-20, 2017 की साप्ताहिक पत्रिका में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड द्वारा गये दीक्षान्त भाषण का प्रकाशन हुआ। पत्रिका प्रति संलग्न है। **(संलग्नक-क)**

विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह हेतु माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 2017 की स्वीकृति प्रदान की है। समारोह की तैयारियों हेतु विभिन्न समितियों/उपसमितियों का निर्माण किया गया है।

टॉपर्स कॉन्क्लेव एवं हैलो हल्द्वानी

दिनांक 8 अगस्त, 2017 से 12 अगस्त, 2017 तक राजभवन, देहरादून में आयोजित टॉपर्स कॉन्क्लेव हेतु कुलपति जी तथा विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले निम्न दो विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

क्र0 स 0	नामांकन संख्या	छात्रछात्रा का / नाम	पिता का नाम	पाठ्यक्रम	प्राप्तांक प्रतिशत	पूर्णांक	मोबाइल न/0ई मेल-
	11014694	अमित चौधरी	रणवीर सिंह	एम योग 0ए0	/1009 1200	84.08 %	09458974261 amityogrishi@gmail.com
	14056618	उमेश चन्द्र जोशी	हीरा बल्लभ जोशी	एम 0ए0 शिक्षाशास्त्र	/752 900	83.56 %	08958061982 ujoshi82@gmail.com

Toppers Conclave में विश्वविद्यालय द्वारा लगाये गये स्टॉल को परिसर देहरादून द्वारा संचालित किया गया। यह कॉन्क्लेव अत्यन्त सफल रहा। उच्च शिक्षा के गुणवत्ता को बढ़ाने में महामहिम कुलाधिपति की यह असाधारण पहल स्तुत्य है। इससे उत्तराखण्ड में छात्र–छात्राओं में उत्साहवर्धन हुआ है एवं इसके परिणाम अत्यन्त सकारात्मक होंगे।

देहरादून में हुए विश्वविद्यालयों के टॉपर्स कॉन्कलेव की एक रेडियो रिपोर्ट 31 अगस्त 2017 को प्रात: 11:05 से 11:25 तक और अपराह्न 03:00 से 03:20 तक दिन में दो बार प्रसारित की गई। इस रिपोर्ट में हैलो हल्द्वानी द्वारा फोन के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों से बात की गयी उस रिकॉर्डिंग को टॉपर्स कॉन्कलेव की रेडियो रिपोर्ट में शामिल किया गया। प्रोफेसर सी.एन.आर.राव के भाषण के सम्पादित अंश भी इस रिपोर्ट में प्रसारित किये गये। प्रोफेसर सी.एन.आर. राव के भाषण के साथ-साथ महामहिम द्वारा छात्रों में टीम लीडर की भावना विकसित करने के टिप्स इत्यादि पर बातचीत की। प्रसारित की गई रिपोर्ट की सीडी संलग्न है।

(संलग्नक-ख)

<u>जी0एस0टी0 **(माल एवं सेवाकर)**</u>

- जुलाई 2017 से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किये गए जी0एस0टी0 के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र से बी0कॉम प्रथम वर्ष व एम0कॉम प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में एक इकाई के रूप में माल एवं सेवाकर को शामिल किया गया है।
- प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा 23 अगस्त, 2017 को जी0एस0टी0 पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में हल्द्वानी व रूद्रपुर के *चार्टर्ड अकाउंटेंट* (CA) व इग्नू से प्रोफेसर एस श्री लता व कुमांऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एल. के. सिंह व डॉ0 सी0डी0 सूंठा द्वारा प्रतिभाग किया है। इस बैठक में जी0एस0टी पाठ्यक्रम के डिप्लोमा व प्रमाण पत्र के रूप में प्रारंभ करने व इन पाठ्यक्रमों के स्वरूप व पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अन्य दिशानिर्देशों की चर्चा की गई।

<u>साइबर सिक्योरिटी</u>

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये गये साइबर सिक्योरिटी कार्यक्रम के संबंध में दिनॉक 28 अगस्त 2017 को विश्वविद्यालय परिसर देहरादून में भारतीय वायु सेना, नई दिल्ली से आये ग्रुप कैप्टन श्री अशोक कटारिया तथा विंग कमान्डर श्री अंशुमन जी के साथ चर्चा की गयी। चर्चा में विशेषज्ञों द्वारा कहा गया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये गये साइबर सिक्योरिटी MOOCs को साइबर फोरेंसिक से जोडने के लिये वे अपने स्तर पर प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा साईबर सिक्योरिटी में डेंपअम ओपन ऑनलाईन कोर्स विकसित किया गया है। यह पाठयक्रम यू0जी0सी0 द्वारा निर्देशित MOOCs को विकसित करने की दिशा के अनुरूप है। राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साईबर सिक्योरिटी एवं फोरेन्सिक की उपयोगिता लगातार बढ़ी है एवं मुक्त व दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत इसको

विकसित करने का वि’’वविद्यालय द्वारा निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के इस प्रयास में देश के श्रेष्ठ विशेषज्ञ भी जुड़े हैं जिसमें भारतीय वायुसेना के अधिकारी यथा ग्रुप कैप्टन कटारिया निरन्तर सहयोग दे रहे हैं एवं विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून से निरन्तर सम्पर्क में रहते हैं इसी दिशा में दिनांक 28.08.17 को उनके द्वारा परिसर में इसके लिये कार्ययोजना बनाई गयी है। शीघ्र ही एक कार्यशाला देहरादून में प्रस्तावित है।

छात्रों से प्राप्त रोजगार का सर्वेक्षण

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण छात्रों के रोजगार की स्थिति की जानकारी हेतु विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष कतिपय पाठ्यक्रमों में रोजगार सर्वेक्षण किया गया | इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य व्यवसायिक पाठयक्रमों में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की रोजगार की वर्तमान स्थिति का आंकलन करना था | जिससे विश्वविद्यालय यह जान सके कि विश्वविद्यालय से विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण कितने छात्रों प्रतिशत को रोजगार प्राप्ति में सहायता मिली है, कितने प्रतिशत छात्रों की वित्तीय स्थिति में क्या सुधार हुआ है तथा साथ ही यह भी पता लगाया जा सके कि क्या विद्यार्थी को प्राप्त रोजगार उसके अपने उत्तीर्ण विषय से सम्बन्धित है या नहीं | इससे उस विषय में समय व माँग के अनुसार आवश्यक परिवर्तन किया जा सके व उस विषय को और अधिक रोजगारपरक बनाया जा सके | इस सम्बन्ध में प्रबन्ध अध्ययन विभाग द्वारा किए गए रोजगार सर्वेक्षण की रिपोर्ट निम्नवत् है :

प्रबन्ध अध्ययन विभाग

प्रबन्ध अध्ययन विभाग द्वारा एम.बी ए., बी.बी.ए., पी. जी. डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पी जी डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनजमेंट तथा डिप्लोमा इन मैनजमेंट पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है | प्रबन्ध अध्ययन द्वारा प्रश्नावली, दूरभाष व ई-मेल के माध्यम से प्रबन्ध अध्ययन से विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण छात्रों से संपर्क किया गया | प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा 132 छात्रों का सर्वेक्षण किया गया तथा इस सर्वेक्षण में यह पाया गया कि प्रबन्ध अध्ययन विभाग से विभिन्न पाठ्यक्रमो में उत्तीर्ण छात्रों में 84 प्रतिशत छात्र विभिन्न संगठनों में कार्य कर रहे हैं तथा केवल 16 प्रतिशत बेरोजगार है | रोजगार की स्थिति के आधार पर 70 प्रतिशत नियमित पद पर कार्य कर रहे हैं 20 प्रतिशत कॉन्ट्रैक्ट पर कार्य कर हैं तथा केवल 10 प्रतिशत पार्ट टाइम में कार्य कर रहे हैं |

सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 78 प्रतिशत देश के विभिन्न संगठनों में पेशेवर के रूप में कार्य कर रहे है तथा 6 प्रतिशत उद्यमी के रूप में कार्य कर रहे हैं |

सर्वेक्षण में 90 प्रतिशत पुरूष तथा 10 महिलाएं हैं |

43 प्रतिशत प्रबंधकीय स्तर पर, 9 प्रतिशत तकनीकी स्तर पर, 9 प्रतिशत स्वयं का व्यापार 11 प्रतिशत शिक्षा के क्षेत्र में प्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है |

56 प्रतिशत छात्रों का यह मानना है कि प्रबन्ध अध्ययन विभाग के विभिन्न पाठ्यक्रमो से उनके वर्तमान कार्य की स्थिति व वित्तीय स्थिति में भी में सुधार हुआ है साथ ही 27 प्रतिशत छात्रों का मानना है कि अभी तक उनके वर्तमान कार्य की स्थिति व वित्तीय स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है |

वर्तमान में प्रबन्ध अध्ययन विभाग के विभिन्न पाठ्यक्रमों से उत्तीर्ण छात्र आई आई एम इंदौर, आई. सी. आई. सी.आई , एल. सी. आई., विप्रो, डाबर, यू. पी. सी. एल., पी. एन. बी., टी. एच. डी. सी. कोटेक महिंद्रा आदि देश के विभिन्न संस्थाओं में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं |

इस सम्बन्ध में प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा किए गए रोजगार सर्वेक्षण की रिपोर्ट संलग्न है। **(संलग्नक-ग)**

रोकड़मुक्त लेनदेन (Cashless Transactions)

भारत सरकार के ड्रिम प्रोजेक्ट 'डिजिटल इण्डिया' व यू.जी.सी. से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा रोकड़ में किये जाने वाले समस्त लेनदेन को रोकड़मुक्त किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा यू0जी0सी0 द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा निम्न समस्त लेनदेन कार्य रोकड़ मुक्त किये गए है।

1. वर्ष 2016-17 में 65,680 विद्यार्थियों के शुल्क बैंक तथा विश्वविद्यालय के माध्यम से ऑनलाईन जमा की गई।
2. सभी वाह्य सेवा प्रदाताओं से डिजिटल भुगतान/लेनदेन किये गये।
3. विश्वविद्यालय में समस्त कार्मिकों का वेतन भुगतान ऑनलाईन किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में समस्त लेनदेनों को रोकड़मुक्त किया जाये ताकि डिजिटल इण्डिया के इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का योगदान सुनिश्चित किया जा सके।

राष्ट्रीय शैक्षिक कोष (National Academic Depository)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त निर्देश के क्रम में शैक्षणिक अभिलेखों को डिजिटल डिपॉजिटरी में अपलोड किया जाना है तथा देश के समस्त विश्वविद्यालयों/अकादमिक संस्थाओं की डिजिटल डिपॉजिटरी राष्ट्रीय स्तर पर National Academic Depository से जोड़ी जानी है जिससे

शैक्षणिक अभिलेखों क सूचनाएं डिजिटल फारमेट में राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध होंगी एवं प्रमाण-पत्रों के सत्यापन में सुविधा होगी। इस संबंध में माननीय कुलपति महोदय के अनुमोदनोपरांत दिनांक 3 अगस्त, 2017 को National Depository Cell का गठन करते हुए डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक प्राध्यापक, प्रबंध अध्ययन को संबंधित संस्था (CDSL Venture) से समन्वय स्थापित किये जाने इससे संबंधित कार्यों के निर्वहन हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया।

उच्च शिक्षा एवं रेडियो (हैलो हल्द्वानी)

विश्वविद्यालय द्वारा सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' (91.2 मेगाहर्टज़) को स्थानीय समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाने के प्रयत्न किए जा रहे है। प्रसारण सामग्री जुटाने के लिए क्षेत्र सर्वेक्षण किया जा रहा है। साथ ही स्टूडियो में भी नए कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग की जा रही है।

'हैलो हल्द्वानी' को लोकप्रिय बनाने के लिए पूर्व में विशेषज्ञों की समिति द्वारा लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने के प्रयत्न किये गए है। इस सिलसिले में ज़िले के सभी विद्यालयों के शिक्षकों को ज़िला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से एक पत्र भेजा गया है। शहर के व्यापारियों को भी रेडियो से जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांवों को भी रेडियो से जोड़ा जा रहा है। इनमें से एक मानपुर पश्चिम में जाकर गांव के लोगों की रिपोर्टिंग की जा गई है। भविष्य में इन गांवों पर केन्द्रित अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण किया जायेगा। रेडियो का प्रसारण सभी कार्य दिवसों में प्रात: 10:30 से सायं 4:45 तक किया जाता है। जल्द ही प्रसारण अवधि को बढ़ाने की योजना है।

हैलो हल्द्वानी के लिए नयी कार्यक्रम सूची बनायी गई है और उसके अनुसार कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। इसमें और सुधार लाने की प्रक्रिया जारी है. अगस्त महीने के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हल्द्वानी शहर के उभरते हुए संगीतकारों को स्टूडियो में बुलाकर उनके साथ बातचीत और संगीतिक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग की गई। उत्तराखंड के मशहूर कवियों में से एक श्री गिरीश तिवारी 'गिर्दा' के स्मृति दिवस और कवि श्री बीरेन डंगवाल के जन्म दिवस पर कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। रेडियो प्रसारण के विषय में बीबीसी और जर्मन रेडियो, डायचे वेले, में काम कर चुके रोहित जोशी और कुमाऊं वाणी रेडियो के संपादक के साथ एक परिचर्चा भी की गई। भारत छोड़ों आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ पर स्वतन्त्रता आंदोलन उत्तराखंड के योगदान के विषय में विशेष चर्चा की गई। देहरादून में हुए विश्वविद्यालयों के टॉपर्स कॉन्कलेव की एक रिपोर्ट भी प्रसारित की गई। इसके अलावा प्रतिदिन सुविधाओं और क्षमता के अनुसार नए कार्यक्रम निर्मित किये जा रहे हैं।

नवीन पाठ्यक्रम

- दिनांक 05 अगस्त 2017 को पुस्तकालय विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल की अध्यक्षता में अध्ययन परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में परिषद द्वारा पुस्ताकालय विज्ञान में स्नातक स्तर (B.Lib) के पाठ्यक्रम का निर्धारण किया गया। बैठक में वाह्य विशेषज्ञों के रूप में प्रोफेसर टी0एन0 दूबे, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, झाँसी, प्रोफेसर वी0पी0 खरे, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, प्रोफेसर जे0एन0 गौतम, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, प्रोफेसर आर0के0 सिंह, अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद तथा आंतरिक विशेषज्ञों के रूप में डॉ0 देवेश कुमार मिश्र तथा डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा 23 अगस्त, 2017 को जी0एस0टी0 पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जी0एस0टी पाठ्यक्रम के डिप्लोमा व प्रमाण पत्र के रूप में प्रारंभ करने व इन पाठ्यक्रमों के स्वरूप व पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अन्य दिशानिर्देशों की चर्चा की गई।
- विश्वविद्यालय द्वारा जापानी भाषा में प्रमाण पत्र के पाठ्यक्रम की स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री की समीक्षा बैठक माह जुलाई, 2017 को आयोजित की गई। शीतकालीन सत्र 2017-18 से इस पाठ्यक्रम को शुरू किए जाने की योजना है।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा 2017, 54 परीक्षा केन्द्रों में 1 जून, 2017 से 05 जुलाई, 2017 तक संम्पन्न हुई जिसमें 37,500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। समस्त 99 मुख्य/बैक परीक्षा परिणाम 48 दिवसों में, दिनांक 22 अगस्त, 2017 तक घोषित कर दिये गये है। **(संलग्नक-घ)**
- इस सत्र परीक्षा परिणामों को शीघ्र घोषित करने के उद्देश्य से मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं के अंको की प्रविष्टी मूल्यांकनकर्ता द्वारा ओ0एम0आर0 तालिका में अंकित करवाई गई है, इससे अंको की प्रविष्टी सीधे कम्प्यूटर में स्केनिंग के माध्यम से होने के कारण टेबूलेशन तालिका तैयार करने में सहायता मिली है । परिणाम स्वरूप परीक्षा परिणाम निर्धारित समय सीमा में घोषित किये गये।
- अगस्त माह में 325 मूल उपाधियॉ, 57 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र व अंकतालिकाएं वाहक/डाक के माध्यम से प्रेषित की गई।
- परीक्षा परिणाम के उपरान्त प्राप्त स्क्रूटनी आवेदन पत्रों पर कार्य गतिमान है।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में प्रवेश प्रक्रिया कार्य प्रगति में है।
- दिनांक 31 अगस्त, 2017 तक विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में कुल 13,825 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।
- ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 के जुलाई माह में प्रवेश अनुभाग द्वारा विवरणिकाओं को विभिन्न अध्ययन केन्द्रों को प्रेषित किया जा चुका है। वर्तमान तक 3180 विवरणिकाएं विश्वाविद्यालय द्वारा आबंटित की जा चुकी हैं।

ग्राम्य विकास

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा दिनांक 27 अगस्त 2017 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गॉव समाल्टा में कृषकों के सामाजिक–आर्थिकी के अध्ययन के लिये एक सर्वे किया गया। यह सर्वे आर्थिकी एवं कृषि आधारित उत्पादों से आर्थिकी सुधारने में लाभकारी सिद्ध होगा। इसके साथ प्रौद्योगिकी शिक्षा से इस विषम भौगोलिक क्षेत्र को जोड़ने के लिये ए–व्यू के माध्यम से भी एक कार्ययोजना बनायी गयी। सर्वे में विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर निदेशक के साथ ग्राम सभा के कई सदस्य मौजूद रहे। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव में अनुश्रवण का कार्य किया जाता है जिसके लिये समय–समय पर गॉव में कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं उसी श्रृखला में वर्षाकाल में जबकि इस गॉव के सम्पर्क मार्ग क्षतिग्रस्त रहते हैं यह भ्रमण किया गया ताकि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के अर्न्तगत गॉव की वास्तविक परिस्थिति के अनुरूप कार्य किये जा सके। गॉव में किये गये सर्वे की रिपोर्ट पर कार्य प्रगति पर है।

विद्या वीरता अभियान

'विद्या वीरता अभियान' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के विश्वविद्यालय के परिसर में परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के चित्रों से युक्त "Wall of Heroes" का निर्माण किया जाना है ताकि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदनों के प्रति जागरूक कर उनमें राष्ट्रीयता की भावना का संचार किया जा सके। दिनांक 2 जून, 2017 को राजभवन, देहरादून में आयोजित मा0 कुलाधिपति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के निर्णयानुसार विश्वविद्यालय द्वारा शौर्य दिवार का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन

दूरस्थ शिक्षा की वर्तमान परीस्थिति पर दिनांक 11 अगस्त, 2017 को प्रोफेसर एस0सी0 गर्ग, पूर्व सम कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "Swimming Against The Tide" विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। प्रोफेसर गर्ग द्वारा अपने वक्तव्य में किस तरह दूरस्थ शिक्षण पद्धति पारंपारिक शिक्षण पद्धति की तुलना में बेहतर कार्य कर सकती है पर बल दिया। इस हेतु उनके द्वारा यह सुझाया गया कि दुरस्थ शिक्षण पद्धति को कुछ ऐसे नये क्षेत्रों में कार्य किया जाना होगा जो नवीन हो तथा जिसकी पहुँच अधिक से अधिक लोगों से हो सके, जिस हेतु शिक्षण की इस पद्धति को आई0सी0टी0 का अधिकतम उपयोग अपने इस उद्देश्य को पूर्ण करने हेतु करना चाहिए।

प्रोफेसर गर्ग द्वारा विश्वविद्यालय शिक्षकों से उत्तराखण्ड के भोगौलिक परिवेश व यहां की सस्कृति के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। देव भूमि होने के कारण योग, पर्यटन व ज्योतिष पाठ्यक्रमों को अधिक रोजगारपरक बनाने का सुझाव दिया गया। उनके अनुसार इन पाठ्यक्रमों के सफलतापूर्वक संचालन के साथ ही प्रदेश के लोगों में रोजगार को बढ़ाया जा सकता है तथा साथ ही पलायन की समस्या पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।

- विषविद्यालय के अध्ययन केन्द्र संख्या–(11061) जानकी देवी ऐजुकेषनल वेलफेयर सोसाइटी में दिनॉक 31 अगस्त 2017 को आजीविका के संदर्भ में (जूट उत्पादों) एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य कपड़ा मंत्री माननीय श्री अजय टम्टा जी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, कार्यक्रम में जूट उत्पादों (आजीविका) से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्टडी सेन्टर के प्रभारी एवं बड़ी संख्या में कामकाजी महिलायें व परिसर के कार्मिक उपस्थित रहे।

(संलग्नक-ड)

संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण शिविर

संस्कृत भाषा उत्तराखण्ड राज्य की द्वितीय राज्य भाषा है। राष्ट्र का नैतिक उन्नयन भी इस भाषा के अध्ययन में दृष्टिगोचर होता है। संस्कृत भाषा की व्यापकता के दृष्टिगत आज सामाजिक समस्याओं के समाधान, भाषिक संस्कारों के संर्वधन व पोषण हेतु संस्कृत भाषा का अध्ययन केवल अनिवार्य नहीं है बल्कि, इस भाषा को व्यवाहरिकता में लाना भी अधिक श्रेयस्कर है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संस्कृत विभाग में बी0ए0 और एम0ए0 के अतिरिक्त संस्कृत भाषा में प्रमाण पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सहज संस्कृत बोध-02 नामक पाठ्यक्रम भी इसी उद्देश्य से संचालित हो रहा है जो इस विश्वविद्यालय के आधार पाठ्यक्रमों से भी एक है। इसी संदर्भ में संस्कृत भाषा के प्रसार व संवर्द्धन के दृष्टिगत संस्कृत विभाग से सहायक प्राध्यापक डॉ0 देवेश कुमार मिश्र की वैचारिक व मानविकी विद्याशाखा के निदेशक तथा माननीय कुलपति जी की प्रेरणा से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृत के छात्रों तथा अन्य इच्छुक छात्रों को संस्कृत भाषा में बातचीत करना सीखाने हेतु दिनांक- 4/08/2017 से 14/08/2017 तक एक 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में संस्कृत भारती की प्रधानाध्यक्ष श्रीमती जानकी त्रिपाठी व प्रशिक्षक डॉ0 प्रकाश चन्द्र उप्रेती तथा डॉ0 नीरज जोशी प्रतिदिन अपना प्रशिक्षण योगदान देते रहें। दिनांक 04/08/2017 से 14/08/2017 तक संचालित इस प्रशिक्षण शिविर में कुल 40 छात्रों ने नियमित प्रतिभाग किया।

(छायाचित्र संलग्नक-च)

<u>पाठ्य सामग्री निर्माण</u>

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र 2017-18 में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

विज्ञान विद्याशाखा-

रसायन शास्त्र (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

भौतिकी (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

जीव विज्ञान (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

वनस्पति विज्ञान (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

भूगोल (बी0ए0/ बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

इसके अतिरिक्त समाज कार्य, हिन्दी व अंग्रेजी विषय पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री के संपादन का कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की अन्य विद्याशाखाओं द्वारा संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

इतिहास विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

लोक प्रशासन के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

समाज शास्त्र के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है

होटल प्रबंध के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

प्रबंध अध्ययन विभाग के एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

वाणिज्य विभाग के एम0 कॉम0 पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

राजनीति विज्ञान के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

गृह विज्ञान विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

वाणिज्य विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है।

वर्तमान सत्र में पंजीकृत होने वाले विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाने वाले **आधार पाठ्यक्रमों** में-

साईबर सिक्योरिटी विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

पर्यावरण अध्ययन विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

पर्यावरण अध्ययन विषय की दो-दो इकाईयों का लेखन डॉ0 चारू पंत व डॉ0 श्याम सिंह कुंजवाल द्वारा किया गया। एक-एक इकाई का लेखन डॉ0 पूजा जुयाल, डॉ0 शालिनी सिंह व श्री मोहम्मद अकरम द्वारा किया गया।

देवभूमि प्रदेश में देवभाषा संस्कृत भाषा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व संस्कृत भाषा के सहज सरल ज्ञान हेतु विश्वविद्यालय द्वारा 'सहज संस्कृत बोध' आधार पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। 'सहज संस्कृत बोध' विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

मानव मूल्य एवं आचार विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

निदेशालय क्षेत्रीय सेवाएँ

- वर्तमान में 238 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। 07 क्षेत्रीय केन्द्रों यथा रूड़की, पौड़ी, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर के अधीन समस्त अध्ययन केन्द्रों का शैक्षिक सत्र 2016-17 ग्रीष्म के शुल्क अंश की द्वितीय एवं शैक्षिक सत्र 2016-17 के शीतकालीन सत्र की प्रथम किस्त के अंशदान भुगतान की कार्यवाही सम्पन्न तथा देहरादून केन्द्र के अधीन अध्ययन केन्द्रों के भुगतान की कार्यवाही की जा रही है।
- विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र स्थापना हेतु मानक/ मापदण्ड एवं सामान्य नियम – 2016 एवं यू0जी0सी0 विनियम 23 जून, 2017 के अनुसरण में निजी परीक्षा समाप्त होने के कारण छात्रों की बेहतर शिक्षा सुविधा हेतु शासकीय एवं अशासकीय मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों में कुल 15 नवीन अध्ययन केन्द्रों (चयनित विषयों के लिए) की स्थापना की गयी। जिनका विववरण निम्न वत है:-

1. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर। अध्ययन केन्द्र कोड - 16120
2. डॉ0 सुशीला तिवारी प्राइवेट महाविद्यालय सितारगंज। अध्ययन केन्द्र कोड – 16121
3. राजकीय महाविद्यालय सितारगंज। अध्ययन केन्द्र कोड - 16118
4. राजकीय महाविद्यालय टनकपुर। अध्ययन केन्द्र कोड – 16116
5. इन्दिरा प्रिय दर्शनी राजकीय स्नातकोत्तर वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी। अध्ययन केन्द्र कोड – 16117
6. थान सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय नैनीडाण्डा। अध्ययन केन्द्र कोड –14048
7. राजकीय महाविद्यालय काण्डा (बागेश्वर) । अध्ययन केन्द्र कोड – 19022
8. राजकीय महाविद्यालय गरूड़। अध्ययन केन्द्र कोड – 19024
9. पं0 ललित मोहन शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश । अध्ययन केन्द्र कोड – 11125
10. राजकीय महाविद्यालय मुवानी (पिथौरागढ़)। अध्ययन केन्द्र कोड – 18036
11. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तलवाड़ी थराली (चमोली)। अध्ययन केन्द्र कोड – 19023
12. राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत) । अध्ययन केन्द्र कोड – 18037
13. राजकीय महाविद्यालय भतरौंजखान। अध्ययन केन्द्र कोड – 17065
14. राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली जिला – पिथौरागढ़। अध्ययन केन्द्र कोड – 18035
15. आर0एल0एस0 महाविद्यालय जसपुर। अध्ययन केन्द्र कोड – 16119

- अध्ययन केन्द्र (जयश्री एजुकेशनल एण्ड डेवलपमेंट सोसाइटी, जिला – अल्मोड़ा, कोड – 17055) की मान्यता शिकायत के फलस्वरूप जांच के उपरांत समाप्त कर दी गयी ।

अन्य गतिविधियॉ

- डॉ0 मंजरी अग्रवाल द्वारा "Assessing the Long-Run and Short-Run Relationship between Macroeconomic Variables and Foreign Direct Investment Inflows in India विषय पर शोध पत्र IIMS Journal of Management Science", Volume : 8, Issue : 2, First page : (173) Last page : (189), Print ISSN : 0976-030X. Online ISSN: 0976-173X में प्रकाशित हुआ।

- डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे, सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर साइंस द्वारा दिनांक 7-9 अगस्त, 2017 तक NUEPA द्वारा आयोजित कार्यशाला Teaching, Learning and Evaluation on Line with Mooodle MOOC Plateform and Open Educational Resources में प्रतिभाग किया। कार्यशाला का मुख्य विषय नवीन शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया था, जिसमें OER, अध्यापन और व्यवसायिक विकास के संबन्ध में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

- माननीय कुलपति द्वारा डॅ0 भीम राव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के स्थापना दिवस पर दिनांक 26 अगस्त, 2017 को प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति द्वारा Learner Centric Open and Distance Learning System- Trends and Concerns विषय पर अपना व्यक्तव्य दिया। इसमें उनके द्वारा विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को दी जाने वाली विभिन्न सेवाऐं जैसे पाठ्य सामग्री, परामर्श सत्र, परीक्षा, प्लेसमेंट, ऑनलाईन विडियों लेक्चर्स, MOOCS आदि विषयों पर अपने विचार रखें।

- माननीय कुलपति द्वारा इण्डियन इस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, राष्ट्रपति शिमला द्वारा दिनांक-21 अगस्त, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार Needs for Inclusive Reforms:Varying Perspetives में मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया गया। इसमें उनके द्वारा सामादेश विकास, सार्वजनिक क्षेत्र के सुधार, समादेशी विकास की योजनाएं, कौशल भारत, नवोन्मेष व सावजनिक प्रशासन पर अपने विचार रखे। **(छायाचित्र संलग्न-छ)**

- डॉ0 शशांक शुक्ल, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी द्वारा दिनांक 17-18 अगस्त 2017 को महादेवी वर्मा सृजन पीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग एवं व्याख्यान दिया गया।

- 15 अगस्त को देश के 71वें स्वतंन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर कुलपति द्वारा झण्डारोहण तथा संबोधन के उपरांत, कुलपतिजी सहित निदेशकों, शिक्षकों अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय

परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया गया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयपरिसर कार्यालय, देहरादून में परिसर निदेशक द्वारा झण्डारोहण कार्याक्रम आयोजित किया गया। **(छायाचित्र संलग्नक-ज)**

- शैक्षणिक सत्र 2018-19 से विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की यू0जी0सी0 डेब से मान्यता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा यू0जी0सी0 डेब द्वारा निर्धारित प्रारूप में फार्म को ऑनलाईन भरने का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018-19 से शुरू किये जाने वाले सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची व उससे सम्बन्धित अन्य प्रपत्र तैयार कर लिये गये है।

- दिनांक 5 अगस्त, 2017 को श्री दीपक चन्द्र, शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा के शोध ग्रन्थ प्रस्तुतिकरण हेतु शोध समिति की बैठक आहूत की गई जिसमें शोधार्थी श्री दीपक चन्द्र तथा सभी निदेशकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- माह अगस्त, 2017 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त वर्ष 2017-18 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

- विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। **(संलग्नक-झ)**

....

16/08/2017 16:54

जयतु भारतम्
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
प्रशिक्षण शिविर
दस - दिवसीय, संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण शिविर
प्रारम्भः - 04/08/2017, समापनः - 14/08/2017
(उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित)
जयतु संस्कृतम्
संस्कृत भारती
सरल संस्कृत
स्थानम्- हल्द्वानी
दिनांक 04-08-2017
16/08/2017 16:18

16/08/2017 16:53

National Seminar
on
"Need for Inclusive Reforms: Varying Perspectives"
(21-23 August, 2017)
organised by
Indian Institute of Advanced Study
Rashtrapati Nivas, Shimla
Nageshwar Rao
Peeush Ranjan Agrawal

15/08/2017 09:18

15/08/2017 09:20

विश्वविद्यालय मुख्यायालय में झंडारोहण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय मुख्यायालय में पौधारोपण

परिसर कार्यालय, देहरादून में झंडारोहण कार्यक्रय